NT>

12.23 hrs.

Title: Need to declare 6, Krishna Menon Marg, as Babu Jagjivan Ram National Memorial.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : महोदय, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विाय की ओर सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। मैं समझता हूं कि यह कोई राजनीतिक मामला भी नहीं है।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : महोदय, इस संबंध में मेरा भी नोटिस है।

अध्यक्ष महोदय : आप आश्वस्त रहिए।

श्री राम विलास पासवान : महोदय, बाबू जगजीवन राम इस देश के राट्रीय नेताओं में रहे हैं और देश के उप प्रधान मंत्री भी रहे हैं। आपको मालूम है कि 1962 से लेकर लगातार बाबू जगजीवन राम जी 6, कृणा मैनन मार्ग पर रहते रहे थे। मैं 1979 में जब कल्याण मंत्री बना था, उस समय वह मकान मेरे नाम से आबंटित हुआ था। उस समय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी, जो आज देश के प्रधान मंत्री हैं तथा अन्य 381 माननीय सदस्यों ने, जिनमें आप भी मौजूद हैं, सभी ने मांग की थी कि बाबू जगजीवन राम के निवास स्थान 6, कृणा मैनन मार्ग को राट्रीय स्मारक घोति किया जाए। उसके बाद हम लोगों ने जब यह लिख कर आया कि वह राट्रीग स्मारक घोति हो रहा है, उस मकान को 12, जनपथ पर शिफ्ट कर दिया। लेकिन वार्ों से राट्रपति महोदय, प्रधान मंत्री जी और अन्य सभी लोग जाकर बाबू जगजीवन राम जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते रहे हैं, वहां राट्रीय स्मारक साइन बोर्ड लगा हुआ है तथा वहां फोटो प्रदर्शन का भी रूम है। लेकिन एकाएक जुलाई के महीने में भारत सरकार द्वारा यह निर्णय ले लिया गया कि उस मकान को किसी एक्स-जज या किसी दूसरे के नाम से आवंटित कर दिया है। ज्यों ही मुझे इस बात का पता चला, हमने जुलाई के महीने में ही शहरी विकास मंत्री को पत्र लिखा और उनसे आग्रह किया।

अध्यक्ष महोदय : मैं एक मिनट से ज्यादा बोलने के लिए समय नहीं दूंगा। आप कृपया समाप्त करिए।

श्री राम विलास पासवान : उसके बाद 30 जुलाई को उनका जवाब आया कि मैं इसको दिखवा रहा हूं, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई। हमने विभिन्न राज्यों में जेल भरो अभियान शुरु कर दिया है। मैं समझता हूं कि 381 संसद सदस्य, जिनमें सभी 90 सदस्यों, जो अभी मंत्रिमंडल में शामिल हैं, के नाम भी शामिल हैं। उनके निवास स्थान को राट्रीय स्मारक घोति न करना केवल बाबू जगजीवन राम जी का ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लोगों का, जो दलित हैं, कमजोर वर्ग के हैं, सभी का अपमान है।

मैं आपसे मांग करता हूं कि सरकार इस पर वक्तव्य दे और इसे राट्रीय स्मारक घोति करे।

अध्यक्ष महोदय : मैं आप सभी सांसदों को जो इस प्रकार की मांग कर रहे हैं, इससे एसोसिएट करता हूं। आप सभी बैठ जाइये।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष जी, हमने भी इस बारे में कई बार पत्र लिखे हैं। हम भी चाहते हैं कि इसको राट्रीय स्मारक घोति किया जाए। मैं भी अपने को इस मांग से सम्बद्ध करता हूं।

अध्यक्ष महोदय : जो भी सांसद महोदय इस मांग के लिए खड़े हैं उन सभी को इससे एसोसिएट किया जाता है। आप बैठ जाइये।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सुकदेव पासवान (अररिया) : अध्यक्ष जी, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है। हमारा कहना है कि 6, कृणन मार्ग को खाली न कराया जाए बल्कि उसको राष ट्रीय स्मारक घोति किया जाए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रकाश अम्बेडकर जी, आप बैठ जाइये, आपको भी इससे एसोसिएट किया जाता है।

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, Shri Jagjivan Ram was not mearly an outstanding leader of *dalits* and weaker sections but he was also an outstanding leader of the country. He was a flaming freedom fighter, an outstanding parliamentarian and an outstanding administrator. He was the Defence Minister of India, when India won the war against Pakistan in 1971. Such a person's memory should be perpetuated. I completely concur with the sentiments and views expressed by Shri Ram Vilas Paswan.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, we associate with him...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष जी, 6 कृणन मार्ग में माननीय जगजीवन राम जी 40 वार्षों तक रहे और देश की सेवा की। वे देश के विभिन्न मंत्रालयों के मंत्री रहे, उप-प्रधान मंत्री रहे, कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और हिंदुस्तान के योग्य प्रशासकों में उनका नाम आता है। जैसा माननीय रामविलास पासवान जी ने निवेदन किया कि करीब 381 सांसदों ने इस बारे में प्रधान मंत्री जी और माननीय राट्रपति जी को लिखकर दिया था। जून 27, 2002 में माननीय राट्रपति जी ने प्रधान मंत्री जी को लिखा था कि बाबू जगजीवन राम जी का जो निवास स्थान था उसे राट्रीय स्मारक बनाया जाए। अध्यक्ष जी, माननीय अटल जी जब प्रतिपक्ष में थे, इस बारे में उनका खुद का लिखा हुआ पत्र है। माननीय अशोक प्रधान, माननीय साहिब सिंह वर्मा, माननीय मदन लाल खुराना, माननीय लाल बिहारी तिवारी आदि 100 से अधिक सत्ता पक्ष के सांसदों ने सिफारिश की थी कि 6 कृणन मार्ग को राट्रीय स्मारक घोाित किया जाए। अध्यक्ष जी, दलित समुदाय के कुछ लोगों ने भी इस बारे में आपसे प्रार्थना की थी कि बाबू जगजीवन राम जी के निवास स्थान को राट्रीय स्मारक बनाया जाए।

अध्यक्ष महोदय : मैंने भी इस बारे में विनती की है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष जी, 30 नवम्बर कोर्ट ने तारीख दी है। चार दिन के अंदर सरकार कार्यवाही करके सदन को बताए। लाल बहादुर शास्त्री जी का स्मारक हो गया, लेकिन जगजीवन राम जी का नहीं हो पा रहा है जबकि प्रधान मंत्री जी ने खुद इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। माननीय जगजीवन राम जी बिहार के और देश के बहुत बड़े नेता थे, फिर भी उनके साथ भेद-भाव हो रहा है। यह भेद-भाव बर्दाश्त नहीं होगा।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री श्रीप्रकाश जायसवाल जी, सत्यव्रत जी, रामदास आठवले जी, रघुवंश प्रसाद जी, सुकदेव पासवान जी, श्रीमती संतोा चौधरी जी, मैं आप सभी को इस मांग के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री राम विलास पासवान : इतने महत्वपूर्ण सवाल पर सरकार जवाब क्यों नहीं देना चाहती है। आप इसका कोई न कोई रास्ता निकालिये। कॉलिंग-अटेंशन लीजिए और सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य कीजिए।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष जी, आप सरकार को निर्देश दें कि वह 30 नवम्बर तक उचित कार्यवाही करे।

अध्यक्ष महोदय : आप ऐसा नहीं कर सकते हैं.।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, 30 नवम्बर तक समय दिया गया है, उसके पहले इसका फैसला हो जाना चाहिये ..(व्यवधान)..नोटिस पर नोटिस आ रहे हैं..(व्यवधान)..

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अध्यक्ष महोदय, बाबू जगजीवन राम के नाम पर सरकार को कुछ न कुछ करना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : इस विाय पर किसी दूसरे माध्यम से अगर प्रश्न पूछेंगे तो सरकार जरूर उत्तर देगी। अभी इतनी चर्चा करने की क्या जरूरत है? कालिंग अटेंशन नोटिस के माध्यम से सरकार को उत्तर देना पड़ता है।

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, 30 नवम्बर के बाद वे बाहर फेंक दिये जायेंगे।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अध्यक्ष जी, सरकार का पॉजिटिव उत्तर आना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : क्या मैं कम्पेल कर सकता हूं?

संसदीय कार्य मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (प्रमोद महाजन): अध्यक्ष जी, श्री पासवान जी कई सालों तक केन्द्र में मंत्री रह चुके हैं और वे जानते हैं कि जब भी शून्य काल में कोई प्रश्न उपस्थित होता है, उस समय जो मंत्री उपस्थित होता है, वह फैसला लेकर और फैसला सुनाये, यह उसके अधिकार में नहीं है। अगर संयोग से प्रधान मंत्री जी उपस्थित हैं, उनकी क्षमता है कि जो फैसला मत्रिपरिाद् में लेना है, वे अपने मुख से सुना सकते हैं। किसी और मंत्री की इतनी शक्ति नहीं कि वह ऐसा कहे ...(व्यवधान)..

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने हमें आश्वस्त किया था कि हमने प्रधान मंत्री जी को पत्र लिखा है और उस पर उनका फैसला हो जायेगा लेकिन आज 'अलार्मिंग सिचुएशन' है पार्लियामेंट में 30 नवम्बर से पहले मंत्री जी बतायें।

श्री प्रमोद महाजन : रघुवंश बाबू, श्रद्धांजलि को छोड़कर किसी और विाय पर आप छोटी आवाज में और प्रेम से बोलेंगे तो उसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं है। हर चीज में इतना गुस्सा करने की आवश्यकता नहीं है। मैं आपका कोई विरोध नहीं कर रहा हूं और न आपकी मांग को गलत ठहरा रहा हूं.। आप मुझ से किस बात पर गुस्सा कर रहे हैं?

अध्यक्ष महोदय : प्रमोद जी, मैं एक नये नियम का प्रावधान करना चाहता हूं कि जिसकी आवाज ऊंची है, वह किसी भी समय खड़ा होकर हाउस में भााण कर सकता है। यह अगर नियम में आ जायेगा तो ठीक होगा।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम हॉर्ट से बोलते हैं।

अध्यक्ष महोदय : लेकिन आपके हॉर्ट की चिन्ता मुझे है।

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष महोदय, आज जो विाय उठा है, मैं माननीय प्रधान मंत्री जी तक तुरंत आज का आज सब की भावनाओं को पहुंचाऊंगा ..(व्यवधान)..

श्री रामजी लाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, यह गोलमोल जवाब है।

श्री प्रमोद महाजन : यह गोलमोल जवाब नहीं है..(व्यवधान).. आप इसमें राजनीति मत लाइये...(व्यवधान)

श्री रामजी लाल सुमन : आप बिगड़िये मत।

श्री प्रमोद महाजन : मैं शान्ति से बोल रहा हूं, अशान्ति तो आप हाउस में ला रहे हैं। मैंने कहा कि मैं आज ही प्रधान मंत्री जी को बताऊंगा।

MR. SPEAKER: I think, this is enough. This is all right.

...(*Interruptions*)

श्री प्रकाश परांजपे (ठाणे) : अध्यक्ष जी, बाबू जगजीवन राम की मृत्यु हुये कई साल हो गये। जब इन लोगों की सरकार थी, इन्होंने क्यों नहीं किया?..(व्यवधान).

अध्यक्ष महोदय : प्रकाश जी आप बैठिये, मैंने सेल्वागणपति का नाम लिया है, उन्हें बोलने दें।

श्री प्रकाश परांजपे : जब इनके प्रधान मत्री थे, वे क्यों नहीं कर पाये..(व्यवधान).

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, please allow me half-a-minute.

The hon. Minister of Parliamentary Affairs has very appropriately assured the House that he would consult the hon. Prime Minister. Our request is that as the date - 30th November - is very near, it should be expeditiously decided. ...(*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, I will tell him the date also. Now, the decision rests with him. ...(*Interruptions*)

SHRI T.M. SELVAGANPATHI (SALEM): Mr. Speaker, Sir, there is a serious threat to the unity and integrity of the country because of the deliberate attempt amounting to a sort of ethnic cleansing perpetuated by the State of Karnataka. There are 30 lakh Tamils living in the Bangalore city alone, who have been deprived of the fundamental right to information. ...(*Interruptions*)

SHRI G.S. BASAVARAJ (TUMKUR): We are peace-loving people. They are provoking our people to create problems....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down.

SHRI T.M. SELVAGANPATHI : I am not yielding. This is not the way.

The Tamils, who are living in Karnataka, are deprived of their fundamental right to information. Screening of Tamil movies has been banned in Karnataka. There are 20 theatres which have been closedâ€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. प्लीज आप बैठिये। उनका नोटिस है, मैंने उन्हें बोलने का चान्स दिया है।

SHRI T.M. SELVAGANPATHI : Right to information is a fundamental right. There are 20 theatres which are screening Tamil movies. They have been either closed down or forcibly forced to screen only Kannada movies. There is a serious situation. This has been going on in Karnataka for the past two months....(*Interruptions*) Will you please allow me to speak?â€¦ (*Interruptions*)

This has been going on for the last two months at the instigation of the Karnataka Government. The State Government headed by Shri Krishna has come to the pressure of the chauvinists. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please keep silence.